कक्षा–1

विषय – गणित

मास	दक्षता कोड	अधिगम उपलब्धियाँ बच्चे:–	विषयवस्तु	सुझाव/तरीके/क्रियाकलाप	एजुसेट लिंक
मार्च	101	आकाशीय संबंध की शब्दावली का विकास एवं प्रयोग करते हैं जैसे ऊपर–नीचे, सबसे ऊपर–सबसे नीचे, आगे–पीछे, अन्दर–बाहर, के ऊपर–के नीचे, पास–दूर। वास्तविक वस्तुओं एवं चित्रों का प्रयोग करके सरल पैटर्नों के क्रम को पूर्ण करते हैं। अवलोकन व अभिव्यक्ति की योग्यताएँ विकसित करते हैं।	कहाँ–कहाँ	शिक्षक बच्चों के साथ कक्षा कक्ष में या स्कूल प्रांगण में उपलब्ध वस्तुओं के आधार पर उनकी वास्तिविक स्थिति से कि वे कहाँ पर विराजमान है चर्चा करवाएँ। कुछ वस्तुओं और चित्रों का प्रयोग करके पैटर्न की अवधारणा से रूबरू करवाएँ तथा नये पैटर्न बनाने और दिए गए अधूरे पैटर्न को पूरा करने में सहयोग करें।	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31306475209185689616726?contentId=do_31299031555736371212
	101	संग्रह की गई वस्तुओं की तुलना करते हैं (कम ज्यादा की समझ–मिलान द्वारा, एक–एक संगति द्वारा), समानीकरण व विभेदीकरण की योग्यताएँ विकसित करते हैं । सरल पैटर्नों के क्रम को पूर्ण करते हैं ।	उड़ी पंतग	शिक्षक बच्चों को कुछ वस्तुएँ उपलब्ध करवाकर तर्क संगत सोचने का अवसर दें और उनकी मदद करें ताकि बच्चें वस्तुओं को एक–एक संगतता और क्रमबद्धता तथा सरल पैटर्न के क्रम को पूर्ण करने में सक्षम हो सकें।	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31306475209185689616726?contentId=do_3125946034976522242239 35
अप्रैल	102, 103	वस्तुओं का अवलोकन एवं उनका संग्रहण (किसी विशिष्ट संख्या 1 से 5 तक की) के संगत वस्तुओं का संग्रह करते हैं। 1 से 5 तक की संख्याओं को पहचानते व बोलते हैं। 1 से 5 तक की संख्याओं को पढ़ते व लिखते हैं। वस्तुओं या उनके	नानी की रसोई	शिक्षक बच्चों को कुछ वस्तुएँ एकत्रित करने के लिए कहें और उन वस्तुओं को गिनकर अलग–अलग रखें तथा वस्तुओं की संख्या के अनुसार उनके सामने गिनती लिखें कि कौन सी वस्तु संख्या में कितनी है।	

	109, 110	चित्रों के संग्रह से उनकी संख्या का अंदाजा लगाते हैं। 50 तक की संख्याओं के संगत वस्तुओं का अवलोकन करते हैं, उनका संग्रहण करने एवं उनको गिनने की समझ रखते हैं।	फुटबाल का खेल	शिक्षक बच्चों को अधिक मात्रा में वस्तुएँ (कंकड़ आदि) एकत्रित कराएँ और फिर 50 तक की संख्याओं के संगत वस्तुओं का अवलोकन कराएँ।	
मई	111	50 तक दी गई वस्तुओं को 10–10 के समूहों में तथा शेष को एक–एक करके अलग करते हैं। दोहराई	फुटबाल का खेल	शिक्षक तिल्लियों की सहायता से 10–10 बंडल बनवाकर और कुछ खुली तिल्लियों की सहायता से 50 तक की वस्तुओं की पहचान करवाएँ।	

कक्षा–2

विषय – गणित

पूर्व अपेक्षित दक्षताएँ	मास	दक्षता कोड	अधिगम उपलब्धियाँ बच्चेः–	विषयवस्तु	सुझाव/तरीके/क्रियाकलाप	एजुसेट लिंक
101 विद्यार्थी विभिन्न वस्तुओं एवमं चित्रों की भौतिक विशेषताओं जेसे आकृति, आकार, लुढ़कना, सरकना आदि के आधार पर वस्तुओं को पहचान, मिला व वर्गीकृत कर सकते हैं तथा दिए गए सरल पैटर्न को आगे बढा सकते हैं।	मार्च	202	परिवेश की वस्तुओं का अवलोकन करते हैं और उनके ज्यामितीय गुणों को अनुभव से जानते हैं। त्रिआयामी मूल आकृतियों की पहचान करते हैं। त्रिआयामी आकृतियों के गुणों की व्याख्या करते हैं। वास्तविक वस्तुओं एवं चित्रों का प्रयोग करके सरल पैटर्नों के क्रम को पूर्ण करते हैं।	क्या है लम्बा, क्या है गोल	शिक्षक बच्चों को कुछ वस्तुएँ उपलब्ध करवाएँ और उनको चर्चा करने के अवसर दें ताकि वे त्रिय'यामी वस्तुओं को उनके मूल अवधारणा के आधार पर पहचान सकें और उनके बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा कर सकें।	Part-1 https://youtu.be/vadGMx96WuA Part-2 https://youtu.be/vYuJHUiUu9c
113 विद्यार्थी छोटा–बड़ा, दूर–पास, लम्बा–छोटा जैसे शब्दों के प्रयोग द्वारा वस्तुओं के आकार का अंदाजा लगा सकते हैं।		210	दो या अधिक आस–पास की भारी व हल्की वस्तुओं का अंदाजा लगा कर तुलना करते हैं। साधारण तुला की उपयोगिता व प्रयोग द्वारा वस्तुओं के भारों की तुलना करते हैं।	हल्का भारी	शिक्षक छात्रों को कुछ वस्तुएँ, लंच बॉक्स या उनके बस्ते हाथ में उठवाकर बच्चों से अंदाजा लगवाने का अभ्यास करवाएँ कि कौन सी वस्तु हल्की है और कौन सी वस्तु भारी है।	

	अप्रैल	202	त्रिआयामी वस्तुओं की द्विआयामी रूप रेखा खींचते है। द्विआयामी रूप रेखा देखकर त्रिआयामी वस्तुओं का अंदाजा लगाते व पहचान करते हैं। द्विआयामी आकृतियों की पहचान करते हैं। अंतर्ज्ञान द्वारा द्विआयामी आकृतियों के गुणों की व्याख्या करते हैं।	पैरों के निशान	शिक्षक बच्चों को कुछ ठोस (त्रिआयामी) वस्तुएँ देकर उनकी चारों ओर से कागज पर रखकर द्विआयामी रूप रेखा देखकर त्रिआयामी वस्तुओं का अंदाजा लगाने व पहचान करने में मदद करें ताकि ये द्विआयामी आकृतियों के गुणों की व्याख्या कर सकें।	
विद्यार्थी अमानक इकाईयों जैसे उंगली, हथेली, पंजा, कदम आदि द्वारा लम्बाई का अनुमान लगा सकते हैं व् माप सकते हैं।	मई	211	दो या अधिक आस–पास की भिन्न–2 धारकों की धारिता का अंदाजा लगा कर तुलना करते हैं। . भिन्न–2 धारकों की धारिता का अमानक मात्रकों जैसे चम्मच, गिलास आदि से अंदाजा लगाते, मापते व उनकी तुलना करते हैं। दोहराई	बाल्टी और घड़ा	शि'क्षक अलग–अलग धारकों की सहायता से बच्चों को मापन कराएँ और मानक तथा अमानक साधनों की सहायता से तर्ल पदार्थों को कैसे और किस प्रकार मापा जा सकता है। उदाहरण के तौर पर भिन्न–2 धारकों की धारिता का अमानक मात्रकों जैसे चम्मच, गिलास आदि से अंदाजा लगाते, मापते व उनकी तुलना करते हैं।	

कक्षा–3

विषय –गणित

पूर्व अपेक्षित दक्षताएँ	मास	दक्षता कोड	अधिगम उपलब्धियाँ बच्चेः–	विषयवस्तु	सुझाव/तरीके/क्रियाकलाप	एजुसेट लिंक
202 विद्यार्थी आकृतियों को उनके स्थानीय नामों से पहचान सकते हैं।	मार्च	308, 301	अपनी आस–पास की वस्तुओं को विभिन्न परिप्रेक्ष्य (perspective) से देख कर उनका चित्रण करते हैं। कुछ त्रिआयामी वस्तुओं का चित्र बनाते हैं। परिवेश की वस्तुओं का अवलोकन करके उनके ज्यामितीय गुणों को समझते हैं। सीधी रेखाओं व वक्र रेखाओं को प्रयोग करके दिए गए बिंदुओं पर आकृतियाँ बनाते हैं तथा टुकड़ों का प्रयोग करके आकृतियों का सृजन करते हैं। त्रिआयामी वस्तुओं की द्विआयामी रूप रेखा खींचते हैं। कागज काटकर, कागज मोड़कर आकृतियाँ बनाते हैं तथा सममिति की समझ रखते हैं।	देखें किधर से	शिक्षक बच्चों को कुछ वस्तुएँ या खिलौने (कार, गाड़ी आदि) दिखाकर और उनकी स्थितियाँ बदलकर उनके ज्यामितीय गुणों के आधार पर बताएँ कि वह वस्तु ऊपर नीचे या आगे पीछे से देखने पर किस प्रकार की दिखाई देती है अर्थात् त्रिआयामी वस्तुओं की द्विआयामी रूप रेखा खींचते हैं तथा कागज काटकर, कागज मोड़कर आकृतियाँ बनाते हैं तथा सममिति की समझ रखते हैं।	https://youtu.be/X0b-msSUdLc https://diksha.gov.in/play/content/do_31301426519822336 0180

204 विद्यार्थी हासिल व् बिना हासिल के उन संख्याओं को जोड़ सकते हैं जिनका जोड़ 99 तक है ं। ;अमतजपबंससल – ीवतप्रवदजंससलद्ध 205 विद्यार्थी 99 तक की संख्याओं का प्रयोग करते हुए एक संख्या को दूसरी में से हासिल या बिना हासिल के घटा सकते हैं। ;अमतजपबंससल – ीवतप्रवदजंससलद्ध		304	तीन अंकीय संख्याओं को पढ़ते व लिखते हैं। स्थानीय मान की समझ के आधार पर संख्या का प्रसार करते हैं। तीन अंकों तक की संख्याओं में सरल पैटर्नों के क्रम को पूर्ण करते हैं। किसी भी संख्या से आरम्भ करके विभिन्न विधियों से गिनते हैं। संख्याओं की तुलना करते हैं। दिए गए अंकों का प्रयोग करके सबसे बड़ी व सबसे छोटी तीन अंकों की संख्याएँ बनाते हैं।	संख्याओं की उछल कूद	पूर्व ज्ञान के आधार पर श्िक्षक बच्चों को तीन संख्याओं पर आधारित व्यावहारिक आय व्यय के आधार पर तीन अंकीय संख्याओं को आसानी से पढ़ने व लिखने की समझ रखते हैं। स्थानीय मान की समझ के आधार पर संख्या का प्रसार करते हैं। जब बच्चा तीन अंको की संख्याओं का भलिभाँति व्यवहार में प्रयोग करता है तो इस आधार पर तो उससे कुछ संख्याओं पर आधारित पैटर्न बनाने की चर्चा करें। तीन बच्चों को खेल–खेल में अलग–अलग अंको के तीन कार्ड देकर दिए गए अंकों का प्रयोग करके सबसे बड़ी व सबसे छोटी तीन अंकों की संख्याएँ बनाते हैं।	
205 विद्यार्थी 99 तक की संख्याओं का प्रयोग करते हुए एक संख्या को दूसरी में से हासिल या बिना हासिल के घटा सकते हैं। (vertically – horizontally) 207 विद्यार्थी घटा की मदद से दैनिक जीवन	अप्रैल	307	पुर्नसमूहन तथा पुर्नसमूहन के बिना संख्याओं को जोड़ते व घटाते हैं। अमानक व मानक विधि द्वारा जोड़ते व घटाते हैं। चित्रों एवं कहानियों द्वारा विभिन्न स्थितियों में प्रस्तुत जोड़ व घटा के प्रश्न हल करते हैं, इबारती प्रश्न हल करते हैं। जोड़ व घटा के तथ्यों के लिए प्रश्न बनाते हैं।	कुछ लेना कुछ देना	शिक्षक छात्रों को उदाहरणों के माध्यम से जोड़ने व घटाने पर आधारित कुछ प्रश्न देकर क्रियाकलाप कराएँ तथा जोड़ व घटा के तथ्यों के लिए प्रश्न बनवाने में मदद करें तथा दी गई संख्याओं के जोड़ व अंतर का अंदाजा करने में सहायता करें।	

की समस्याओं को हल कर सकते हैं। (मौखिक व् एक रेखीय समस्याएँ) (99 तक की संख्याओं का प्रयोग करते हुए) 204 विद्यार्थी हासिल व् बिना हासिल के उन संख्याओं को जोड़ सकते हैं जिनका जोड़ 99 तक है ं। ;अमतजपबंससल – ीवतप्रवदजंससलद्ध 212 विद्यार्थी सप्ताह के दिनों को क्रम में बता सकते हैं व् समय का दिनों में अन्दाजा लगा सकते हैं।		305, 303 310, 311, 312	दी गई संख्याओं के जोड़ व अंतर का अंदाजा (Estimate) करते हैं। ऊर्ध्वाधर लिखते हुए (मानक विधि) संख्याओं को जोड़ते व घटाते हैं। (पुर्नसमूहन द्वारा, पूर्नसमूहन के बिना।) (With Regrouping, Without Regrouping) चित्रों एवं कहानियों द्वारा विभिन्न स्थितियों में प्रस्तुत (व्यक्त) जोड़ व घटा के प्रश्न हल करते हैं। दैनिक जीवन से संबंधित जोड़ व घटा के प्रश्न हल करते हैं। दी गई दो संख्याओं के जोड़ व अन्तर का अनुमान (Estimate) लगाते हैं। किसी विशेष दिन और तिथि का पता लगाने हेतु कैलेण्डर पढते हैं। समय अवधि को सैकेंडों, मिनटों, घंटों, दिनों, सप्ताहों व महीनों में जानते हैं तथा घटनाओं को समयानुसार क्रमबद्ध करते हैं। घड़ी में मिनटों तथा घंटों में समय देखते हैं।	लेने देने का खेल समय समय की बात	शिक्षक कैलेण्डर की सहायता से बच्चों को किसी विशेष दिन और तिथि का पता लगाने हेतु क्रियाकलाप कराएँ और समय अवधि को सैकेंडों, मिनटों, घंटों, दिनों, सप्ताहों व महीनों में जानने में मदद करें तथाघटनाओं को समयानुसार क्रमबद्ध करने तथा घड़ी में मिनटों तथा घंटों में समय देखने में मदद करें।	

214 विद्यार्थी सामान्य चार्ट बना सकते हैं (पसंद–नापसंद के आधार पर) तथा सामान्य जीवन पर आधारित आकड़ों के आधार पर मौखिक प्रश्नों का जवाब दे सकते हैं।	मई	302	डिजाइनों, आकारों तथा संख्याओं के दिये हुए पैटर्न को समझते हैं तथा उससे आगे आने वाले आकार या संख्या को उस दिये गये पैटर्न के आधार पर आगे बढ़ाते हैं। छुपे हुए संदेशों का पता लगाते हैं। सम व विषम संख्याओं के दिये हुए पैटर्न को समझते हैं। दोहराई	पैटर्न की पहचान	शिक्षक बच्चों कुछ ऐसे डिजाइनों, आकारों तथा संख्याओं के दिये हुए पैटर्न उपलब्ध कराएँ ताकि बच्चे उससे आगे आने वाले आकार या संख्या को उस दिये गये पैटर्न के आधार पर आगे बढ़ाने में सक्षम हो जाएँ तथा छुपे हुए संदेशों का पता लगा सकें एवं सम व विषम संख्याओं पर आधारित दिये हुए पैटर्न को समझ सकें।	

कक्षा–4

विषय – गणित

पूर्व अपेक्षित दक्षताएँ	मास	दक्षता कोड	अधिगम उपलब्धियाँ बच्चे:–	विषयवस्तु	सुझाव / तरीके / क्रियाकलाप	एजुसेट लिंक
304 विद्यार्थी तीन अंकीय संख्याओं को विविध द्वारा हासिल के साथ जोड़ व् घटा सकते हैं। 311 विद्यार्थी कैलेण्डर का प्रयोग करते हुए घटनाओं के घटित होने के क्रम को घंटो, दिनों व महीनों के क्रम में पहचान सकते हैं।	मार्च	402	एक लाख तक की संख्याओं को अंकों तथा शब्दों में लिखते हैं। संख्याओं को गिनतारे की सहायता से पढ़ते और विस्तारित रूप में लिखने एवं उनके स्थानीयमान की समझ रखते हैं। संख्याओं को आरोही एवं अवरोही क्रम में लिखते हैं।	कसरत अंकों की	शिक्षक बच्चों को बड़ी–बड़ी संख्याएँ देकर जैसे उनके गाँव, शहर, जिले की जनसंख्या कितनी है। इस पर चर्चा करने का अवसर दें ताकि छात्र एक लाख तक की संख्याओं को अंकों तथा शब्दों में लिख सकें। शिक्षक इन संख्याओं को गिनतारे की सहायता से पढ़ने और विस्तारित रूप में लिखने एवं उनके स्थानीयमान की समझ विकसित करने में मदद करें। संख्याओं को आरोही एवं अवरोही क्रम में किस प्रकार लिखते हैं।	https://youtu.be/6rOgFBXtlLI https://diksha.gov.in/play/content/do_3130725171320832001825

312 विद्यार्थी कैलेण्डर की सहायता से तारीख को पढ व लिख सकते हैं तथा घटनाओं के अन्तराल की गणना कर सकते हैं।		402, 403	कैलेंडर देखकर एक वर्ष में सप्ताहों की गणना करते हैं। वर्ष में मास व दिनों की संख्या और प्रत्येक मास में दिनों की संख्या एवं लीप वर्ष को समझते हैं। घडी की सहायता से मिनट व घंटे के संबंध को समझते हैं। a.m. तथा p.m. के रूप में समय को व्यक्त करने की समझ रखते हैं। परिचित घटनाओं के अंतराल का अनुमान और दो तिथियों के बीच के दिनों की गणना करते है।	प्रातः और सायं	शिक्षक कैलेण्डर की सहायता से बच्चों को एक वर्ष में सप्ताहों की गणना करने की चर्चा करें तथा वर्ष में मास व दिनों की संख्या और प्रत्येक मास में दिनों की संख्या एवं लीप वर्ष को समझाने की चर्चा करें एवं मार्गदर्शन करें तथा इनपर आधारित क्रियाकलाप कराएँ और समय अवधि को सैकेंडों, मिनटों, घंटों, दिनों, सप्ताहों व महीनों में जानने में मदद करें तथाघटनाओं को समयानुसार क्रमबद्ध करने तथा घडी की सहायता से मिनट व घंटे के संबंध को समझने में मदद करें तथा a.m. तथा p.m. के रूप में समय को व्यक्त करने की समझ रखते हैं ताकि बच्चे परिचित घटनाओं के अंतराल का अनुमान और दो तिथियों के बीच के दिनों की गणना करते है।	https://diksha.gov.in/play/content/do_3127277824720814081 26734
308 विद्यार्थी द्विआयामी आकृतियों (त्रिभुज, वर्ग, आयत, वृत्त) को उनके नाम से पहचान सकते हैं और उनकी विशेषताओं जैसे भुजा, कोने तथा कोण आदि की पहचान कर सकते हैं।		405	त्रिआयामी वस्तुओं को पहचानते एवं उनको बनाते हैं। दिए हुए जालों (नैट) की सहायता से 4 फलक (सतह), 5 फलक (सतह) व 6 फलक (सतह) वाले डिब्बे बनाते हैं। वस्तुओं को अलग–अलग दिशा से देखने पर बनी आकृति को समझते हैं।	वस्तुएँ कुछ ऐसी दिखती हैं।	शिक्षक बच्चों को कुछ ठोस (त्रिआयामी) वस्तुएँ देकर त्रिआयामी वस्तुओं को पहचानते एवं उनको बनाते हैं। दिए हुए जालों (नैट) की सहायता से 4 फलक (सतह), 5 फलक (सतह) व 6 फलक (सतह) वाले डिब्बे बनाते हैं। शिक्षक बच्चों को वस्तुएँ देकर उनकी चारों ओर से कागज पर रखकर रूप रेखा देखकर त्रिआयामी वस्तुओं का अंदाजा लगाने व पहचान करने में मदद करें ताकि ये आकृतियों के गुणों की व्याख्या कर सकें। वस्तुओं को अलग–अलग दिशा से देखने पर बनी आकृति को समझ सके।	https://diksha.gov.in/play/content/do_3130500303500083201732

307 विद्यार्थी दो अंकीय संख्याओं को एक अंकीय संख्या से गुणा कर सकते हैं। (शुरूआत में बार–बार जोड़ के रूप में व् फिर 10 तक के पहाड़ों की मदद से)	अप्रैल	406	गुणा के तथ्य लिखने की समझ रखते हैं। 11 से 15 तक पहाड़े बनाने की समझ रखते हैं। 10, 100 व 1000 से गुणा की समझ रखते हैं। लेटिस विधि तथा मानक विधि के प्रयोग द्वारा 2 तथा 3 अंकीय संख्याओं की गुणा करते हैं। एक दी हुई संख्या को अन्य संख्या से अलग–अलग विधियों द्वारा भाग करते हैं। शाब्दिक प्रश्न तैयार करते हैं व उनको हल करते हैं। संक्रियाओं की समझ एवं उनके आंकलन की समझ रखते हैं।	पहाड़े और बँटवारे	शिक्षक बच्चों को छोटी कक्षाओं में छोटे पहाड़े बनाना सीखाते है। छोटे–2 पहाड़ों की सहायता से बड़े पहाड़ों का निर्माण करने में बच्चों की मदद करें। इससे बच्चों को गुणा के तथ्य लिखने की समझ पैदा होती हैं तथा 11 से 15 तक पहाड़े बनाने की समझ बनती हैं। 10, 100 व 1000 से गुणा की समझ बनती हैं। लेटिस विधि तथा मानक विधि के प्रयोग द्वारा 2 तथा 3 अंकीय संख्याओं की गुणा कर सकते हैं। एक दी हुई संख्या को अन्य संख्या से अलग–अलग विधियों द्वारा भाग किस प्रकार करते हैं इन पर आधारित शाब्दिक प्रश्न तैयार करते हैं व उनको हल करने की समझ विकसित होती हैं। संक्रियाओं की समझ एवं उनके आंकलन की समझ में वृद्धि होती हैं। इसके लिए छात्रों को आपस में चर्चा करने और अभ्यास करने अवसर प्रदान करें।	
314 विद्यार्थी मुद्रा की छोटी–छोटी रकमों को जोड़ व् घटा सकते हैं तथा मुद्रा से संबंधित दैनिक जीवन की सरल समस्याओं को हल कर सकते हैं		408	रूपयों को पैसों में परिवर्तित करते हैं। धन राशियों को स्तम्भ में जोड़ते व घटाते हैं। शाब्दिक प्रश्नों को हल करते हैं। धनराशि से सम्बन्धित संक्रियाओं के प्रयोग को समझते हैं। कुल जोड़ व लागत निकालने के लिए अनुमान लगाते हैं। क्रय–विक्रय एवं लाभ–हानि को समझते तथा इन पर आधारित सरल प्रश्न हल करते हैं।	गुल्लक	शिक्षक बच्चों को अपने पास से कुछ खुले रूपये और खुले पैसे जेब से निकालकर मेज पर रखें और बच्चों को समूहों में बाँटकर प्रत्येक समूह को क्रम से अपने पास बुलाए और किस प्रकार रूपयों को पैसों में परिवर्तित करते हैं। धन राशियों को किस प्रकार स्तम्भ में जोड़ते व घटाते हैं। बच्चों को शाब्दिक प्रश्नों को हल करने का अवसर दें। किस प्रकार धनराशि से	

306 विद्यार्थी लम्बाई को मीटर व् सेंटीमीटर , वजन को कि.ग्रा. में तथा धारिता को अमानक इकाई द्वारा माप सकते हैं।		409	मीटर व सेंटीमीटर के आपसी संबंध को समझते हैं। लंबाई व दूरी से संबंधित प्रश्न हल करते हैं। किसी वस्तु की लंबाई तथा दो स्थानों के बीच की दूरी का आकलन करते हैं। मुक्त हस्त द्वारा तथा परकार द्वारा वृत्त खीचते हैं। वृत्त का केन्द्र, त्रिज्या तथा व्यास को पहचानते हैं।	दुपट्टे की लम्बाई	सम्बन्धित संक्रियाओं के प्रयोग को समझते हैं। कुल जोड़ व लागत निकालने के लिए अनुमान लगाते हैं। किस प्रकार क्रय–विक्रय एवं लाभ–हानि को समझते तथा इन पर आधारित सरल प्रश्न हल करते हैं।	
306 विद्यार्थी लम्बाई को मीटर व् सेंटीमीटर , वजन को कि.ग्रा. में तथा धारिता को अमानक इकाई द्वारा माप सकते हैं।		409	मानक मात्रकों की सहायता से वस्तुओं के भार ज्ञात करते हैं। किलोग्राम व ग्राम के आपसी संबंध को समझते हैं। दी गई वस्तुओं के भारों के जोड़ व अंतर को समझते हैं।	मीना और पिंकी की तराजू	शिक्षक बच्चों को सौ गोल पट्टी की सहायता से मीटर व सेंटीमीटर के आपसी संबंध को समझते हैं। लंबाई व दूरी से संबंधित प्रश्न हल करते हैं। किसी वस्तु की लंबाई तथा दो स्थानों के बीच की दूरी का आकलन करते हैं। शिक्षक बच्चों को चर्चा करने का अवसर दें ताकि बच्चे मुक्त हस्त द्वारा तथा परकार द्वारा वृत्त खीचते हैं। वृत्त का केन्द्र, त्रिज्या तथा व्यास को पहचानते हैं। शिक्षक बच्चों को जिस प्रकार दूरी मापने के लिए क्रियाकलाप कराते है उसी प्रकार की चर्चा भार मापने के लिए करनी चाहिए ताकि मानक मात्रकों की सहायता से वस्तुओं के भार ज्ञात करते हैं। किलोग्राम व ग्राम के आपसी संबंध को समझते हैं। दी गई वस्तुओं के भारों के जोड़ व अंतर को समझते हैं।	

306 विद्यार्थी लम्बाई को मीटर व् सेंटीमीटर , वजन को कि.ग्रा. में तथा धारिता को अमानक इकाई द्वारा माप सकते हैं।	मई	409	अमानक/मानक मात्रकों की सहायता से द्रव का आयतन मापते हैं। लीटर और मिलीलीटर के आपसी संबंध की समझ रखते हैं। दिए गए आयतनों के जोड़ व अंतर ज्ञात करते हैं।	किसमें कितना पानी	शिक्षक उपरोक्त दोनों पाठों की भाँति द्रव्य पदार्थों को किस प्रकार मापा जा सकता है इसके लिए अमानक/मानक मात्रकों की सहायता से द्रव का आयतन मापते हैं। लीटर और मिलीलीटर के आपसी संबंध की समझ रखते हैं और बच्चे आपस में मिलकर दिए गए आयतनों के जोड़ व अंतर को किस प्रकार ज्ञात कर सकते है। इस कार्य के लिए शिक्षक बच्चों की मदद करें।	
314 विद्यार्थी टेली चिह्न का प्रयोग करते हुए आँकड़ों का अभिलेखन कर सकते हैं तथा उनको चित्रालेख के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं।		414	आँकडे एकत्रित करते हैं तथा उन्हें दण्ड आलेख के रूप में निरूपित करते हैं। दिए गए आँकड़ो पर चर्चा करते हैं तथा निष्कर्ष निकालने की समझ रखते हैं।	स्कोर चार्ट दोहराई	शिक्षक अपने परिवेश्र से संबंधित छात्रों के साथ सहयोग करके आँकडे एकत्रित करते हैं तथा उन्हें दण्ड आलेख के रूप में निरूपित करते हैं। दिए गए आँकड़ो पर चर्चा करते हैं तथा निष्कर्ष निकालने की समझ रखते हैं।	

कक्षा–5

विषय – गणित

पूर्व अपेक्षित दक्षताएँ	मास	पुस्तक का नाम	अधिगम उपलब्धियाँ बच्चेः–	विषयवस्तु	सुझाव/तरीके/क्रियाकलाप	एजुसेट लिंक
401 विद्यार्थी अर्ध–ठोस व अमूर्त वस्तुओं (चित्र या चिह्न) से बने बिना दोहराव के पेटेर्नो को समझते है और आगे बढा सकते हैं।	मार्च	502	बंद और खुली आकृतियों की समझ रखते हैं। तीलियों की सहायता से बहुभुज बनाने की समझ रखते हैं। पटरी और परकार की सहायता से न्यूनकोण, समकोण व अधिककोण बनाने की समझ रखते हैं। कागज मोड़कर/शरीर मोड़कर कोण बनाने की समझ रखते हैं। घड़ी की सुइयों द्वारा बने कोण की समझ रखते हैं। वृत्त को मोड़–मोड़कर कोण बनाने की समझ रखते हैं। **D** की सहायता से कोण बनाने की समझ रखते हैं।	आकृतियाँ और कोण	शिक्षक बच्चों के साथ मिलकर बंद और खुली आकृतियों की समझ उत्पन्न करने में मदद करें। तीलियों की सहायता से बहुभुज बनाने में मदद करें तथा पटरी और परकार की सहायता से न्यूनकोण, समकोण व अधिककोण बनाने में मदद करें तथा कागज मोड़कर/शरीर मोड़कर कोण बनाने की समझ बनाएँ तथा कक्षा–कक्ष में रखी घड़ी की सुइयों द्वारा बने कोण की समझ बनाएँ तथा वृत्त को मोड़–मोड़कर कोण बनाने में सहायता करें तथा **D** की सहायता से भी कोण बनवाएँ।	https://diksha.gov.in/play/content/do_31307822889861120011250

411 विद्यार्थी परिमाप से संबंधित दैनिक जीवन की सामान्य समस्याओं को हल कर सकते हैं। (जैसे की धागे के प्रयोग से) 412 विद्यार्थी क्षेत्रफल से संबंधित दैनिक जीवन की सामान्य समस्याओं को हल कर सकते हैं। (ग्रिड की सहायता से) 406 विद्यार्थी 15 तक के पहाड़ों का प्रयोग करते हुए तीन अंकीय संख्याओं को दो अंकीय संख्या से गुणा कर सकते हैं तथा तीन अंकीय संख्या को एक एंकीय संख्या से भाग कर सकते हैं।		503 506	आयत और वर्ग के परिमाप निकालने की समझ रखते हैं। दी गई आकृतियों के क्षेत्रफल निकालने की समझ रखते हैं। टाइलों का प्रयोग करके पैटर्न बनाने की समझ रखते हैं। गुणनखण्ड एवं गुणज की समझ रखते हैं।	कितने वर्ग मैं तेरा गुणनखण्ड, गुणज तू मेरा।	शिक्षक बच्चों को कुछ कागज से बने या कार्ड बोर्ड काटकर आयत और वर्ग बनवाएँ तथा उनकी परिसीमा पर स्केल की सहायता से निकालना सिखाएँ कि आकृति का परिमाप कैसे निकालना है और दी गई आकृति ने कितनी जगह घेर रखी है अर्थात् कितना परिमाप है और कैसे क्षेत्रफल निकालना है। बच्चों को चर्चा करने का अवसर प्रदान करें ताकि दी गई आकृतियों के क्षेत्रफल निकालने की समझ बन सकें और टाइलों का प्रयोग करके पैटर्न बनाने की समझ उत्पन्न हों।	https://diksha.gov.in/play/content/do_31303195865083084 8188 https://diksha.gov.in/play/content/do_31306814712497766 4110861

411 विद्यार्थी सममिति की अवधारणा का प्रयोग करते हुए आधे भाग को पूरा कर सकते हैं तथा दर्पण द्वारा बनाये प्रतिबिम्ब को पहचान सकते हैं।			नक्शा बनाने की समझ रखते हैं। चित्र निरूपण की समझ रखते हैं।	नक्शा	शिक्षक छात्रों को ऐतिहासिक स्थानों पर भ्रमण कराएँ और उस स्थान की पूर्ण जानकारी दें जिससे कि उनको नक्शा बनाने की समझ उत्पन्न हों और चित्र निरूपण की समझ में वृद्धि हों।	https://diksha.gov.in/play/content/do_3130510172717711361820
405 विद्यार्थी त्रियाआमी आकृतियां (घन , घनाभ, बेलन ,शेकु, गोला) के रूप में वस्तुओं की पहचान कर सकते हैं। 412 विद्यार्थी क्षेत्रफल से संबंधित दैनिक जीवन की सामान्य समस्याओं को हल कर सकते हैं। (ग्रिड की सहायता से)	अप्रैल	507 503, 504	त्रिआयामी वस्तुओं की समझ रखते हैं। डिब्बे बनाने की समझ रखते हैं। घन/घनाभ बनाने की समझ रखते हैं। 10 वाँ, 100 वाँ व 1000 वाँ भाग की समझ रखते हैं। दशमलव में निरूपित करने की समझ रखते हैं। क्षेत्रफल निकालने की समझ रखते हैं। परिमाप/घेरा निकालने की समझ रखते हैं।	डिब्बे और स्कैच दसवाँ और सौंवाँ भाग क्षेत्रफल और घेरा	शिक्षक बच्चों को कुछ ठोस (त्रिआयामी) वस्तुएँ देकर त्रिआयामी वस्तुओं को पहचानते एवं उनको बनाते हैं। दिए हुए जालों (नैट) की सहायता से डिब्बे बनाने में मदद करें। घन/घनाभ बनाने की समझ उत्पन्न करें तथा 10 वाँ, 100 वाँ व 1000 वाँ भाग की समझ बनाएँ ताकि दशमलव में निरूपित करने की समझ बन सकें। शिक्षक छात्रों के पूर्व ज्ञान के आधार पर जैसा कि पहले के पाठों में आकृति का परिमाप और क्षेत्रफल	

					निकालना सिखाया गया उसी के आधार पर अन्य क्रियाकलाप कराएँ ताकि बच्चों को क्षेत्रफल और घेरा निकालने का ज्ञान बढ़ सकें।	
407 विद्यार्थी गुणा व् भाग के प्रयोग द्वारा दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं का हल कर सकते हैं।	मई	511	दी गई संख्या को 1, 2, व 3 अंकों की संख्या से गुणा करने की समझ रखते हैं। इबारती प्रश्न हल करने की समझ रखते हैं। दी गई संख्या को 1 व 2 अंकों की संख्या से भाग करने की समझ रखते हैं। दोहराई	गुणा और भाग करने के तरीके	शिक्षक छात्रों के पूर्व ज्ञान के आधार पर जैसा कि दी गई संख्या को 1, 2, व 3 अंकों की संख्या से गुणा करने की समझ रखते हैं। इबारती प्रश्न हल करने की समझ रखते हैं। दी गई संख्या को 1 व 2 अंकों की संख्या से भाग करने की समझ रखते हैं।	